मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश
1, तिलक मार्ग, लखनऊ

संख्याः डीजी– परिपत्र सं०-2 दिनांकः फरवरी 08, 2018

समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/
पुलिस अधीक्षक, प्रभारी जनपद (नाम से),
उत्तर प्रदेश ।

जैसा कि आप सभी अवगत हैं कि हमारी सेना के तीनों अंगों के सैनिक देश के दूरदराज तथा दुर्गम इलाकों में सेवारत हैं, और उनके परिवार उनसे अलग रहते हैं जो देश के शहरी/ग्रामीण इलाकों में निवास करते हैं । यह परिवार ज्यादातर अपनी घरेलू समस्याओं को अकेले ही निपटाते हैं, कारण सैनिक ज्यादातर अपने ड्यूटी स्थल पर रहता है तथा वह साल में एक या दो बार ही अपने घर आ पाते हैं । इस कारण कई बार सैनिक अपने परिवारों की समस्याओं को न तो सही ढंग से समझ पाता है और न ही सही तरीके से उनका समय पर निस्तारण ही हो पाता है जिससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । चूँकि सैनिक अपने परिवार को छोड़कर दूर तथा कभी-कभी अति दुर्गम इलाकों में तैनात रहता है तो अचानक आई समस्या को हल करने के लिये वह स्वयं उपस्थित भी नहीं हो पाता है इससे उपजे विवादों की स्थिति में सैनिक के परिवारों को पुलिस की मदद तथा सहयोग की जरूरत पड़ती है, जिसका त्वरित निस्तारण कराये जाने की आवश्यकता होती है ।

2- अतः आप सभी सुनिश्चित करें कि सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के साथ सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार अपनायें तथा उनकी समस्याओं का त्वरित गति से निस्तारण करायें । जब भी कोई सैनिक या उनका परिवार अपनी समस्याओं को लेकर आपसे मिलने आये तो वरीयता के आधार पर उसकी समस्याओं को सुनकर उनका निस्तारण भी करायें । आप तथा आपके अधीनस्थ सभी अधिकारी सैनिकों के परिवारों की समस्याओं की समयानुसार समीक्षा भी करते रहें तथा समय से उनका निस्तारण भी कराते रहें जिससे सैनिक अपने घर की चिन्ताओं से मुक्त होकर निष्ठापूर्वक एवं पूर्ण मनोयोग से देश की सेवा कर सके ।

[redacted] ।

8/2/18
(ओ0पी0 सिंह)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश ।

प्रतिलिपिः निम्नलिखित अधिकारियों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. समस्त जोनल अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक,उ0प्र0।
2. समस्त परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस उप महानिरीक्षक, उ0प्र0 ।